भगवान परशुराम के जयकारे गूंजे... जन्मोत्सव पर निकाली भव्य शोभायात्रा

बड़ी संख्या में शामिल हुए समाजजन, विभिन्न मंचों से हुआ स्वागत

महिदपुर। नगर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव एवं जगतगुरु शंकराचार्य जयंती महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो जेल रोड स्थित सहस्त्र औदिच्य ब्राह्मण समाज धर्मशाला से शुरू हुई। शोभायात्रा में बैंड, डीजे, ढोल आदि शामिल थे।

सबसे आगे भारत माता व रानी लक्ष्मीबाई के स्वरूप में बालिकाएं घोडे पर सवार थी। रथ में परशुराम जी के चित्र के साथ भगवान परशुराम जी के स्वरूप में बालक शामिल था। दूसरे रथ में भागवताचार्य पं. श्यामस्वरूप मनावत, उज्जैन विराजित थे। युवा वर्ग धर्मध्वजा व भगवान परशुरामजी के शस्त्र प्रतीक फरसे को लहरते हुए जय घोष लगा रहे थे। महिला मंडल-बालिकाएं गरबा व भजनों पर नृत्य कर रही थी। नगर में पंजाबी समाज, शर्मा बंधु, समाजसेवी सुभाष ठाकुर, विजयसिंह गौतम, विधायक दिनेश जैन बोस, पूर्व विधायक बहादुरसिंह चौहान, गौरी परुलेकर, पालीवाल परिवार, श्रीरणजीत हनुमान भक्त मंडल आदि के द्वारा शोभायात्रा व पंडित मनावत का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा का समापन पुन: मंदिर पहुंच धर्मसभा के रूप में हुआ।

यहां पर दीप प्रज्जवल किया गया। मुख्यवक्ता पं. श्याम स्वरूप मनावत थे। अध्यक्षता समाजसेवी गुलजारीलाल त्रिवेदी नागदा ने की। अतिथि केबिनेट मंत्री रमेशचंद्र शर्मा, बड़नगर विधायक जितेंद्र पंडया, समाजसेवी माया राजेश त्रिवेदी उज्जैन रही। गुरू मधुसूदन दीक्षित झारडा का सानिध्य भी मिला। अतिथि परिचय किशोर शर्मा पलवा ने दिया। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजक सत्यनारायण शर्मा पेटलावद ने दिया। अतिथियों सहित भारत माता, लक्ष्मीबाई के रूप में सजी रानी दीदी, ज्योति दीदी का स्वागत रणछोड़ त्रिवेदी, भारत शर्मा, निरंजन मेहता, नागेश्वर शर्मा, स्वस्तिक ठाकुर, नरेश शर्मा, शिवनारायण शर्मा, सीमा सारस्वत, शोभा उपाध्याय आदि समाजजनों ने किया।

पं. मनावत ने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में भगवान परशुराम जी के सिद्धांतों को अपनाने की आवश्यकता है। वहीं ब्राह्मत्व की रक्षा करने वालों का सम्मान भी होना चाहिए। संस्कारों के लिए माता पिता को चाहिए कि अपने बच्चों को सामाजिक, पारिवारिक कार्यक्रमों शामिल करना चाहिए। जिससे रिश्तों व समाज के महत्व को समझ सके। संचालन मुकेश रावल ने किया। आभार कमलेश उपाध्याय ने माना।

जनसंपर्क करने वाली टीम का स्वागत किया-भीषण गर्मी में जनसम्पर्क करने वाली टीम का सम्मान अतिथियो ने किया। कार्यक्रम संयोजक सत्यनारायण शर्मा, नगर प्रभारी संजय व्यास एडवोकेट, उमा पाण्डेय, प्रदीप पंड्या, श्रीराम शर्मा, चेतन पाठक, कमलेश उपाध्याय, विकास उपाध्याय, महेश रावल, राजेश मेहता, जगदीश उपाध्याय, श्याम शर्मा, संजय जोशी, दीपक जोशी, प्रदीप समाधिया, कैलाशचंद्र जोशी पहलवान, नरेंद्र व्यास, अर्जुन उपाध्याय आदि का सम्मान किया गया।

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ देहदानी श्रीकांतादेवी को दी भावभीनी विदाई

मदर-डे पर चौपड़ा परिवार की माता नेत्र-देहदान संपन्न

महिदपुर। आज के मातृ दिवस पर एक और तो पूरा देश मातृ वंदना में लगा हुआ था और ऐसी ही स्थिति में चौपड़ा परिवार में श्रीकांता बाई (75 वर्ष) धर्मपत्नी स्व. सुरेशचंद चौपड़ा का रात्रि 3 बजे अरिहंत शरण हो गया। परिवार जनों ने तत्काल स्व-प्रेरणा से नेत्रदान देहदान प्रेरक जवाहर डोसी से संपर्क कर नेत्रदान और देहदान की इच्छा व्यक्त की।

इस पर डोसी ने बड़नगर गीता भवन न्यास समिति के देहदान नेत्रदान प्रभारी डॉ. जीएल ददरवाल को नेत्र उत्सर्जन के लिए आने का निवेदन किया। परमानंद पंवार भी सहयोगी के रूप में पधारे। गीता भवन न्यास समिति के तत्वावधान में यह 966 वां नेत्रदान रहा। स्थानीय स्तर पर अरुण बुरड और राजेंद्र कोठारी का सराहनीय सहयोग रहा।

इस मामले में एक विशिष्ट उल्लेखनीय तथ्य यह कि दो दिन पूर्व ही श्रीकांता बाई ने अपने देहदान किए जाने का लिखित में सहमति प्रपत्र परिवार जनों को दिया था। महिदपुर वासियों को जिनको भी यह बात पता लगी उन्होंने इस पर बहुत ही आश्चर्य और संयोग का मिश्रित भाव प्रकट किया।

मातृ दिवस के दिन मातृशक्ति ने पूर्वाभास से किया देहदान-आज का अजीब संयोग देखिए कि आज देश भर में मातृ दिवस मनाया जा रहा है। प्रतिवर्ष मई माह के दूसरे रविवार को यह दिवस सन् 1914 से संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में मनाया जाता है। हर बार सटीक दिवस पर तारीख हर साल बदलती रहती है इस परिप्रेक्ष्य में भी यह नेत्र, देहदान बहुत ही सटीक, सार्थक, अनुकरणीय, प्रेरणादायी बना। उसके अंतर्गत स्थानीय प्रशासन में नगर निरीक्षक नरेंद्रसिंह परिहार, नायब तहसीलदार राजेश चौहान एवं सहयोगी पुलिसकर्मियों ने मिलकर नगर के हृदय स्थल चौक बाजार में पार्थिव देह को गॉर्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। समाजसेवी जैनेंद्र खेमसरा एवं नेत्रदान देहदान प्रेरक जवाहर डोसी ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मातृ दिवस पर उस मातृ तुल्य पुण्यात्मा जीव के इस योगदान का बहुत ही आभार व साधुवाद प्रकट किया।

पार्थिव देह अरविंदो चिकित्सालय इंदौर भेजी

देहदान के लिए अरविंदो चिकित्सालय इंदौर से संपर्क कर रमेशचंद्र,वर्धमान गादिया ने सुनील छिपानी और राजेश एचओडी से सामंजस्य बैठाकर महिदपुर आने की अनुकूलता बनाई। आप मनोज, प्रवीण की माताजी, सौरभ शुभम चयन पर्व की दादी, बबलू की बड़ी मम्मी तथा शांतिलाल सोनी की बड़ी बहन थीं। आपका मायका और ससुराल दोनों ही नगर में अति समीप दो मोहल्ले में रहा।

नेशनल मेगा लोक अदालत में समझौतों से निपटे केस

बड़नगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 9 मई शनिवार को नेशनल मेगा लोक अदालत का आयोजन स्थानीय न्यायालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 10 बजे अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामबिलास गुप्ता की अध्यक्षता में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के प्रकरणों के निराकरण हेतु पक्षकारों को आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से त्वरित न्याय प्रदान करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश गौरव चौरसिया, ऋचा गोयल बंसल, भावना जाटवा एवं अवनी व्यास उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अभिभाषक संघ बड़नगर के अध्यक्ष करण रणजीत राठौड़ सहित अधिवक्ता रफीक मंसूरी, अजय झाला, एवं अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे। जानकारी मीडिया प्रभारी दिलनवाज़ ख़ान ने दी।

31 वर्षों की बेदाग सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुईं किरण देवी सारंग

शॉल-श्रीफल व महाकाल की तस्वीर भेंट कर दी गई विदाई

उज्जैन। कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी किरण देवी सारंग के 31 वर्ष की शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारी संघ द्वारा उन्हें शॉल, श्रीफल और बाबा महाकाल की तस्वीर भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई।

समारोह में अपर कलेक्टर पूजा चौहान ने श्रीमती सारंग को शॉल और श्रीफल भेंट कर उनके सेवाकाल के लिए सम्मानित किया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष हेमराज घावरी और आउटसोर्स कर्मचारी संघ के संभाग व जिलाध्यक्ष गुलशन मंसूरी सहित पूरी टीम के पदाधिकारियों ने उन्हें बाबा महाकाल की तस्वीर भेंट की। उपस्थित सभी लोगों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत कर उनके स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना की।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर पूजा चौहान, लघु वेतन कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष हेमराज घावरी, आउटसोर्स कर्मचारी संघ संभाग व जिलाध्यक्ष गुलशन मंसूरी, अधीक्षक सूर्य प्रकाश सोनी, माथुर सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष सुरेश रायकवार, नेहा अग्रवाल, घनश्याम माली, अमित सारवान, कुणाल देवड़ा, अरुण गोसर और जिला नजीर सुनील परमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। संचालन रुद्राक्ष वजह ने किया। जानकारी जिला सचिव मुकेश रायकवार ने दी।

एक नजर में

समाजसेवी अनिल डागर का सम्मान

उज्जैन। आत्म कल्याण धार्मिक एवं पारमार्थिक संस्था द्वारा रविवार को समाजसेवी अनिल डागर का सम्मान किया गया। लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करने वाले समाजसेवी अनिल डागर के सम्मान समारोह अवसर पर आत्म कल्याण पत्रिका के संपादक राजेश शास्त्री, संस्था के मीडिया प्रभारी बाबूलाल कुशवाह, सचिव बालकिशन कुशवाह, जितेन्द्र प्रजापत, अनिल सोनी और आशीष कुशवाह आदि उपस्थित रहे।

इंटर-स्कूल क्विज़ में ली समाधान कौशल की परीक्षा

इंदौर. एसवीकेएम के एनएमआईएमएस इंदौर कैंपस ने मनोगति नामक एक रोमांचक इंटर-स्कूल क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया. कार्यक्रम में 15 स्कूलों की भागीदारी रही, जिसमें 50 से अधिक टीमों ने बहु-स्तरीय प्रारूप में हिस्सा लिया. इस प्रतियोगिता में ज्ञान, त्वरित सोच और सामूहिक समस्या-समाधान कौशल की कड़ी परीक्षा ली गई. प्रतियोगिता की शुरुआत लिखित एलिमिनेशन राउंड से हुई, जिसमें टीमों ने स्क्रीन पर प्रदर्शित सावधानीपूर्वक तैयार किए गए प्रश्नों के उत्तर दिए. इस प्रारूप में बहुविकल्पीय प्रश्नों के बजाय वर्णनात्मक उत्तरों को प्रोत्साहित किया गया, जिससे समझ की गहराई और मौलिकता सुनिश्चित हो सके. प्रारंभिक चरण के बाद, शीर्ष टीमों ने अगले दौर में प्रवेश किया, जहां प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र और रोमांचक हो गई. पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक टीम ने सामूहिक रूप से कार्य किया, जिससे दबावपूर्ण परिस्थितियों में टीमवर्क, संचार और साझा रणनीति के महत्व को बल मिला. प्रतियोगिता के साथ-साथ, प्रतिभागियों को एनएमआईएमएस इंदौर परिसर का भ्रमण भी कराया गया. कई चुनौतीपूर्ण दौरों के बाद, जवाहरलाल नेहरू सीनियर सेकेंडरी विंग, भोपाल की टीम विजेता के रूप में उभरी, जिसने उत्कृष्ट जागरूकता, संयम और त्वरित सोच का प्रदर्शन किया. सत्य साई विद्या विहार, इंदौर की टीम प्रथम उपविजेता रही, जबकि सनबीम स्कूल, मुगलसराय की टीम द्वितीय उपविजेता घोषित की गई. विजेता टीम को पुरस्कार राशि प्रदान की गई. एनएमआईएमएस इंदौर के निदेशक अंशुमान जैसवाल ने कहा 'मनोगति' जैसे मंच छात्रों को जागरूक रहने, तुरंत सोचने और पाठ्यपुस्तकों से परे ज्ञान के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं.

शहर के कलाकार यश फिल्म में कर रहे अभिनय

इंदौर. बॉलीवुड में इंदौर की कई प्रतिभाएं अपना मुकाम बना रहीं हैं. इसी कड़ी में इंदौर का एक और कलाकार बड़े पर्दे पर अपने अभिनय की चमक बिखेरने की तैयारी में है. ये कलाकार है, यश पुरोहित. इसी मई माह में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली फिल्म जीना दिल से में वे अभिनय करते नजर आएंगे. अधीश राणा द्वारा निर्देशित यह कॉमेडी फिल्म दर्शकों को हंसाने के साथ उन्हें सोचने पर भी विवश करेगी. ज्ञात हो, श्रीमती अंजना और सुरेश पुरोहित के सुपुत्र यश पुरोहित का परिवार मूलत: ग्राम पीपली से ताल्लुक रखता है. यश के दादाजी स्व. नाथूलाल पुरोहित की ख्याति अच्छे समाजसेवी के बतौर रही है. यश पुरोहित का कहना है कि आजकल हर व्यक्ति किसी न किसी बात को लेकर हैरान, परेशान और मानसिक तनाव में रहता है.

सभी तीर्थों की जननी और अधिष्ठात्री हैं नर्मदा

खजराना गणेश मन्दिर में नर्मदा चिंतन ज्ञान यज्ञ

इंदौर. मैया नर्मदा का एक बार केवल नाम स्मरण कर लेने से ही सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के तीर्थों का पुण्य फल प्राप्त हो सकता है क्योंकि माँ नर्मदा कोई नदी नहीं, सभी तीर्थों की जननी और अधिष्ठात्री हैं. मान्यता है कि सभी तीर्थों का प्राकट्य माँ नर्मदा के पुण्य प्रताप से ही हुआ है. हम जीवनभर लगातार तीर्थ यात्रा करते रहें, तब भी नर्मदा किनारे स्थापित तीर्थों के दर्शन पूरे नहीं होंगे. नर्मदा किनारे स्थित तीर्थों की संख्या 68 करोड़ 73 लाख 700 से अधिक मानी गई है.

ये विचार हैं नर्मदा परिक्रमावासी आचार्य पं. रविकांत शास्त्री के, जो उन्होंने खजराना गणेश मन्दिर स्थित सत्संग सभागृह पर अ.भा. दादा गुरु परिवार इंदौर नर्मदा मिशन की मेजबानी में चल रहे नर्मदा चिंतन ज्ञान यज्ञ में शनिवार को माँ नर्मदा की परिक्रमा की महिमा का प्रभावी वर्णन करते हुए अनेक रोचक एवं पौराणिक प्रसंगों का उल्लेख किया. कथा शुभारंभ के पूर्व महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ संयोजक समाजसेवी राजेंद्र बंसल एवं नित्यम बंसल, भागवताचार्य पं. पवन तिवारी, मालवी भाभी के नाम से प्रख्यात प्रतीक्षा नय्यर, राजेश शर्मा, देवांग शर्मा, नवीन मेहता (बीसीएम), गोपाल अग्रवाल, अमित जिंदल, उमेश अग्रवाल, सौरभ खंडेलवाल, राजेश्वरी शर्मा, इधिका बंसल, ज्योति बंसल आदि ने व्यास पीठ एवं नर्मदा पुराण ग्रन्थ का पूजन किया.

गणेश जी का प्राकट्य खरगोन जिले की हथिनी नदी से

आचार्य रविकांत शास्त्री ने मनोहारी भजनों की प्रस्तुतियों के बीच माँ नर्मदा तट स्थित तीर्थ स्थलों की महिमा बताते हुए कहा कि खरगोन जिले में अकुन और हथिनी नदी आगे चलकर माँ नर्मदा में मिलती है और इस स्थान को शूलपाणी के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि भगवान शिव का चित्त जब कैलाश पर्वत पर जब भी विचलित होता है वे इस लघु कैलाश पर आकर अपनी तपस्या और साधना करते हैं. यह भी पौराणिक मान्यता है कि भगवान गणेश का प्राकट्य भगवती नर्मदा के उबटन की सामग्री से हुआ है.

संयोजक राजेंद्र बंसल एवं नित्यम बंसल ने बताया कि 10 मई को देश के तपोनिष्ठ संत दादागुरु भगवान भी इस पावन कथा में सानिध्य प्रदान करने शाम 5 बजे पधारेंगे. भक्तों से आग्रह किया गया है कि वे दादागुरु भगवान के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु सनातनी परम्परा के अनुरूप धोती-कुरता पहनकर आएं. कथा में 10 मई को नर्मदा तट के तीर्थों का वर्णन होगा.

तत्व रिट्रीट समारोह भक्ति भाव के साथ सम्पन्न

उज्जैन. शिवा ध्यानम् फाउंडेशन द्वारा आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम तत्व रिट्रीट का समापन समारोह अत्यंत उत्साह, श्रद्धा एवं भावनात्मक वातावरण में सम्पन्न हुआ. देश के विभिन्न शहरों से बाबा महाकाल की नगरी में आए भक्तों एवं साधकों ने अपने अनुभव एवं भावनाएं व्यक्त कर कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया.

मातृ दिवस पर आज साधकों एवं भक्तों ने शिव साधिका दीपिका सिंह से गुरु दीक्षा प्राप्त की एवम सभी को शिव ध्यानम् फाउंडेशन की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किए गए. इस विशेष अवसर पर शिव साधिका दीपिका सिंह को उपस्थित भक्तों द्वारा प्रेम, सम्मान एवं भावनाओं से परिपूर्ण उपहार भेंट किए गए. इस अवसर पर पूरा वातावरण गुरु भक्ति एवं आत्मीयता से ओतप्रोत दिखाई दिया.

कार्यक्रम में उपस्थित फाउंडेशन के सचिव डॉ. नितेश कुमार कुरील, कोषाध्यक्ष सागर राणा, उपसचिव जयेश कुमार गुलाटी, अंश शर्मा, प्रदीप कुमावत एवं राजेंद्र चोरड़िया ने समारोह में आए श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया. शिव साधिका दीपिका सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी भक्तों, सेवकों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया.

एक नजर जज़्बा समर कैंप में किया गया माताओं का सम्मान

मां की सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी...

उज्जैन। मातृ दिवस के अवसर पर जज़्बा द्वारा आयोजित समर कैंप में माताओं का शॉल और श्रीफल से सम्मान किया गया। इस गरिमामय समारोह में शहर के प्रबुद्धजनों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और जीवन में मां के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्रिज कॉर्पोरेशन की सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री इंजी. शोभा खन्ना उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि ए मां तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मां के बिना कोई भी दिन पूरा नहीं होता। विद्यार्थियों को सच की राह पर चलना चाहिए और अच्छी पढ़ाई के साथ-साथ एक बेहतरीन इंसान बनने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने छात्रों के बहुआयामी व्यक्तित्व विकास की आवश्यकता पर बल दिया और जज़्बा संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए साधुवाद दिया।

मां से अच्छा कोई दोस्त नहीं

विशेष अतिथि एवं प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजू राठी ने कहा कि जीवन में मां से अच्छा कोई दोस्त नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को बिना किसी तनाव के पढ़ाई करने की सलाह दी। डॉ. राठी ने कहा कि बच्चों को जीवन में सफलता के कई अवसर मिलते हैं, बस उन्हें सही समय पर पहचानने की जरूरत है।

कमज़ोरी को बनाएं अपना हथियार-सादिक खान और आरिफ खान ने बताया कि कार्यक्रम की विशेष अतिथि अज़रा नवेद खान ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि लड़की होने से सफलता का कोई रास्ता बंद नहीं होता, बल्कि अपनी कमज़ोरी को ही हथियार बनाकर लक्ष्य हासिल करना चाहिए। उन्होंने अगले वर्ष कैंप में अबेकस पढ़ाने की घोषणा भी की। अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखते हुए उन्होंने शेर पढ़ा-मिटादे अपनी हस्ती को अगर कोई मर्तबा चाहे, के दाना ख़ाक में मिलकर ही गुले गुलज़ार होता है।

शफीक खान और असलम मंसूरी ने बताया कि मेहरान जाफरी ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे की पहली पाठशाला और पहली दोस्त उसकी मां ही होती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि हमेशा बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए अपनी पूरी क्षमता से प्रयास करें। कार्यक्रम को शाइस्ता परवीन ने भी संबोधित किया। समारोह के प्रारंभ में सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत इंजीनियर सरफराज कुरैशी ने किया। संचालन नईम खान ने किया तथा अंत में आभार अतहर आलम अंसारी ने माना। इस अवसर पर जुल्फ़ैज़ जाफरी, सैयद बिलाल हसन, शादाब लाला, परवेज़ खान, शाइना, ज़हीर शेख सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शिक्षा का अर्थ है सही और गलत का फर्क समझना

ज़मीर उल हक और फरीद कुरेशी ने बताया कि असिस्टेंट डायरेक्टर निकहत सुल्ताना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ने का असली मतलब सही और गलत का फ़र्क मालूम होना है। उन्होंने कहा कि अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए स्वयं को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करें। इस दौरान उन्होंने बच्चों को पीएससी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए।